वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 39 | बुधवार 7 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रंधावा बोले-पायलट नई पार्टी नहीं बनाएंगे

सुलह फार्मूला गहलोत-पायलट दोनों को पता है, बताऊंगा नहीं

जयपुर. कासं

राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सचिन पायलट के नई पार्टी बनाने की चर्चाओं को केवल अटकलबाजी बताया है। उन्होंने इस तरह की किसी संभावना तक से इनकार कर दिया। रंधावा ने दावा किया कि सचिन पायलट नई पार्टी नहीं बनाएंगे। पायलट और गहलोत मिलकर काम करेंगे। रंधावा ने कहा- सुलह का फार्मूला उस दिन बैठक में ही बन गया था, दोनों को पता है। वह फार्मूला मैं आपको नहीं बताऊंगा। मंगलवार को जयपुर पहुंचने के बाद एयरपोर्ट पर रंधावा मीडिया से बातचीत कर रहे थे। सचिन पायलट के नई पार्टी बनाने पर रंधावा ने कहा- अभी तक ऐसी कोई बात नहीं है। केवल मीडिया और अखबारों में कुछ लोग उछाल रहे हैं। यह बात होगी भी नहीं। पार्टी बनाने की बात तो आपसे ही सुन रहा हूं। पायलट का नई पार्टी बनाने का न पहले मन था, ना अब मन है। गहलोत पायलट की सुलह बैठक पर रंधावा ने कहा- दिल्ली में हमने 4 घंटे बैठकर अलग-अलग चर्चा की। राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित सबने बात की है। हम लोगों ने दोनों नेताओं से बातें की थीं। उन्हें ध्यान और प्यार से सुना गया। दोनों को ही कहा गया है कि आप इकट्ठे मिलकर कांग्रेस के

असेट हैं। दोनों ने कहा- मिलकर काम करेंगे। पायलट की मांगों पर कमेटी के सवाल पर कहा- यह केस हाईकमान के पास पहले से ही है। सुलह बैठक में उस दिन ही 90% बातें खत्म हो गई थीं। 10 प्रतिशत का भी ऐसा कोई मसला नहीं है। सब सहमत हो गए। तय हो गया तभी तो दोनों बाहर इकट्ठे आए थे। वेणुगोपाल जी ने वहां मीडिया के सामने ही घोषणा की थी। रंधावा ने कहा- सुलह फार्मूला दोनों को ही पता है। बाहर आकर केसी वेणुगोपाल ने जो कहा तो आप समझ सकते हैं। दोनों इकट्ठा काम करना चाहते हैं। उस दिन केसी वेणुगोपाल ही बोले थे, मैं भी नहीं बोला था। जब ऐसी बात होती है तो एक लीडर ही बोलता है। साथ वाले नहीं बोलते हैं।

10 सूत्री मांगों को लेकर होगा बेरोजगारों का महासम्मेलन

कांग्रेस-बीजेपी के नेता रहेंगे मौजूद, उपेन बोले- भर्तियों में प्रदेश के युवाओं को प्राथमिकता मिसे

जयपुर. कासं। राजस्थान में बेरोजगारी, पेपर लीक, रोजगार जैसे 10 मुद्दों को लेकर बेरोजगार बुधवार को महासम्मेलन आयोजित कर रहे हैं। जयपुर के त्रिवेणी नगर में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में बीजेपी और कांग्रेस दोनों के राजनेता शामिल होंगे। जहां प्रदेशभर के बेरोजगार राजनेताओं के सामने अपनी समस्या रखेंगे। इस दौरान शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला, RTDC चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़, कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ के साथ ही बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और विधानसभा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी मौजूद रहेंगे। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि प्रदेश में लंबित भर्ती परीक्षाओं के साथ ही भविष्य में होने वाली भर्ती परीक्षाओं को लेकर महासम्मेलन में आवाज बुलंद की जाएगी। जिसमें केंद्र और राज्य के नेताओं से हम प्रदेश के युवाओं को राजस्थान में होने वाली भर्ती परीक्षाओं में प्राथमिकता देने की मांग रखेंगे। ताकि राजस्थान के युवाओं का हक उनसे नहीं छीने। इसके साथ ही महासम्मेलन में मौजूद युवाओं की समस्याओं पर भी मंथन और चिंतन कर भविष्य की रणनीति तैयार की जाएगी।

सिटी पैलेस में मनाया गया प्रतिभा निखार दिवस

फ्रेस्को, जयपुर ब्लू पॉटरी एवं श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक ने किया अट्रेक्ट, पद्मनाभ सिंह ने बढ़ाया उत्साह

जयपुर. कासं। सिटी पैलेस जयपुर के शाही प्रांगण में प्रतिभा निखार दिवस मनाया गया। सिटी पैलेस में चल रहे सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर के प्रशिक्षणार्थियों ने शिविर में सीखी विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय के अध्यक्ष सवाई पद्मनाभ सिंह उपस्थित रहे। इस शिविर का आयोजन महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय, रंगरीत और सरस्वती कला केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्वलित करके की गई। बच्चों ने

श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक का उच्चारण किया। संग्रहालय के अध्यक्ष पद्मनाभ सिंह ने शिविर का अवलोकन करते हुए बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को जयपुर की समृद्ध कला व शिल्प से परिचित कराने के उद्देश्य से यह सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इस वर्ष पहली बार शुरू की गई प्राचीन आराईश (फ्रेस्को) एवं जयपुर ब्लू पॉटरी की कला को सीखने के लिए बच्चों में काफी उत्साह है और वे इन पारंपरिक और लुप्तप्राय कलाओं को सीखने के लिए बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। मैंने स्वयं फ्रेस्को कला की बारिकियों और तकनीक को सीखा और फ्रेस्को पेंटिंग बनाई।

जयपुर घराने का ध्रुवपद किया प्रस्तुत

कार्यक्रम के दौरान ध्रुवपद का प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जयपुर घराने का ध्रुवपद प्रस्तुत किया। जिसके बाद जयपुर घराने का कथक सीख रहे प्रशिक्षणार्थियों ने प्रस्तुति दी। इसी प्रकार से पेंटिंग, बांसुरी, ब्लू पॉटरी और अराईश जैसी पारम्परिक कलाओं का प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि एक माह चलने वाले इस सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षुओं को ध्रुवपद, कथक, चित्रकला, बांसुरी, फ्रेस्को तथा जयपुर ब्लू पॉटरी जैसी पारंपरिक कलाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन संत भूतबली सागर महाराज ससंघ का पिड़ावा में चातुर्मास के लिए 150 से अधिक श्रावक श्राविकाये करेंगे श्रीफल अर्पित

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिडावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में 108 श्री भूतबलि सागर, मुनि मौन सागर, मुनि सागर महाराज, मुक्ति सागर महाराज का 44 वां चातुर्मास पिड़ावा में करवाने के लिए भक्तगण 8 जून को श्रीफल अर्पित करेंगे। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि 108 श्री भूतबलि सागर महाराज ससंघ उज्जैन में विराजमान हैं और 8 जून गुरुवार को महाराज श्री घोषणा करेंगे कि 44 वां चातुर्मास किस जगह होगा। इसकी घोषणा उज्जैन में होगी। इसके लिए पिड़ावा नगर से एक बस जिसमें 64 श्रावक श्राविकाये व 20 फोर व्हीलर गाड़ी जिसमें 100 श्रावक श्राविकाये उज्जैन पहुचेंगे। चतुर्थ काल के सन्त का 43वां चातुर्मास भी पिड़ावा नगर में आनंद, उत्साह व भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ था। इस नगर में महाराज जी की पावन प्रेरणा से नवीन जिनालय जुना मन्दिर का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ और इनके पावन सानिध्य में भव्य ऐतिहासिक पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ और इनकी पावन प्रेरणा से जैन गोकुलधाम गौशाला दांता रोड पर बनकर तैयार हो गई है। महाराज के मंगलमय आशीर्वाद से गौशाला 1 जुलाई तक प्रारंभ होने वाली है।

संगीतमय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 12 जून से

अलवर के श्री स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज करेंगे कथावाचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया। भीलवाड़ा। धर्मनगरी भीलवाड़ा में 12 से 18 जून तक देवरिया बालाजी रोड स्थित आरके आरसी माहेश्वरी भवन में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। शहर के काष्ट परिवार की ओर से आयोजित होने वाले इस ज्ञान यज्ञ महोत्सव में प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक श्री वेंकटेश बालाजी दिव्य धाम अलवर के श्री स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज के मुखारबिंद से कथावाचन होगा। इसी दौरान काष्ट परिवार की ओर से आरके आरसी माहेश्वरी भवन में 13 से 17 जून तक श्री शिव महापुराण कथामृत महोत्सव का आयोजन भी होगा। इसमें प्रतिदिन शाम 7 से रात 10 बजे तक भागवत भक्त श्री दूदाधारी गोपाल मंदिर के पं. गौरीशंकर शास्त्री महाराज कथा रस वर्षा करेंगे। आयोजन से जुड़े एडवोकेट कमल काष्ट ने बताया कि संगीतमय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आगाज 12 जून को सुबह 8 बजे कलश शोभायात्रा, देवपूजन एवं कलश स्थापना के साथ होगा। कलश शोभायात्रा विजयसिंह पथिकनगर स्थित श्री चारभुजानाथ मंदिर से कथा स्थल तक निकाली जाएगी। पहले दिन व्यास पीठ पर श्रीमद् भागवत की स्थापना के साथ श्रीमद् भागवत महात्म्य मंगलाचरण कथा प्रारंभ होगी।

स्पंदन संस्थान ने किया वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में स्पंदन संस्थान, राजस्थान द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम महापुरा अजमेर रोड़, जयपुर में किया गया। जिसमे जामून, नीम, शहतूत, अमरूद आम एवं विभिन्न प्रकार के फल व फूलों के पौधे रोपे गये साथ ही साथ संस्थान के सदस्यों द्वारा पक्षियों के लिए घरौंदे विभिन्न सुरक्षित स्थानों पर लगाये गये। संस्था की चीफ फंक्शनरी एडवोकेट प्रिया रस्तोगी ने बताया कि पौधारोपण के साथ ही साथ आज के दिन लगाये गये समस्त पेड़ पौधों को संरक्षित करने का भी संकल्प लिया गया तथा पौधों एवं पक्षियों के घरौदों का वितरण भी स्पंदन संस्थान द्वारा किया गया। आज के पौधारोपण के कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्थान की चीफ फंक्शनरी एडवोकेट प्रिया रस्तोगी, महामंत्री एडवोकेट अंकुर रस्तोगा, एडवोकेट सुरेश शर्मा, प्रकाश राठौड़, अविरल, अदम्य, श्वेता मीणा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। आज ही के दिन संस्था के द्वारा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार को कुछ सुझाव हेतु एक पत्र भी लिखा गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, ए एम एल / सी एफ टी प्रकोष्ठ, कॉर्पोरेट केंद्र, जयपुर की ओर से राजस्थान गौ सेवा संघ द्वारा संचालित दुर्गापुरा गौशाला, जयपुर मे पर्यावरण रक्षार्थ अपने स्टाफ सदस्यों को सजग बनाए रखने हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रकोष्ठ के महाप्रबंधक एस. रामकृष्णा एवं उप महाप्रबंधक गण अनिल के. टाक, श्रीमती लालिमा दे, कुमार बिनय सिंह, विशाल वर्मा एवं सहायक महाप्रबंधक गण संजय शुक्ला, अमर सिंह, प्रदीप जैन, राजेश गुप्ता, घनश्याम दायमा, भारत लाल मीना, अविनीश श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। सभी के द्वारा विभिन्न फलदार एवं वातावरण शुद्ध करने वाले वृक्ष रोपित किए गए। रोपित वृक्षों के संरक्षण की व्यवस्था की गयी एवं महाप्रबंधक महोदय एस. रामकृष्णा द्वारा आह्वान किया गया कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अधिकारियों भाग चंद जैन (सहायक महाप्रबंधक - सेवानिवृत्त) एवं राकेश जैन (मुख्य प्रबन्धक - सेवानिवृत्त) आदि के द्वारा भी श्रमदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप जैन सहायक महाप्रबंधक द्वारा किया गया एवं अंत मे जैन द्वारा सभी गणमान्य अतिथियों एवं गौशाला के पदाधिकारियों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

इनरव्हील क्लब, उदयपुर की द्विवार्षिक बैठक आयोजित

आर्मी लेडीज सेल्फ ग्रूमिंग और ग्रामीण बालिकाएं ब्यूटीशियन कोर्स में होंगी ट्रेंड

उदयपुर. शाबाश इंडिया। इनरव्हील क्लब की द्विवार्षिक बैठक मंगलवार को होटल आशीष पैलेस में आयोजित हुई। जिसमें वर्ष 2023-24 की अध्यक्ष डॉ. स्वीटी छाबड़ा ने वर्ष पर्यन्त किये जाने वाले सेवा कार्यों पर चर्चा की, साथ ही अपनी योजनाओं से भी अवगत कराया कराया। इस अवसर पर डॉ. छाबड़ा ने बताया कि 1 जुलाई से प्रारम्भ होने वाले नये सत्र की शुरूआत सीए एवं डॉक्टर्स डे के खास मौके पर सीए एवं चिकित्सकों के सम्मान के साथ की जाएंगी। इसके अलावा मुख्य रूप से आर्मी लेडीज को सेल्फ ग्रूमिंग व ग्रामीण बालिकाओं को रोजगारपरक ब्यूटीशियन कोर्स वर्ष पर्यन्त निःशुल्क कराया जाएगा। बैठक में डॉ. छाबड़ा सहित सचिव अंजू गिरी, उपाध्यक्ष मीरा मजूमदार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर मधु सरीन, आईएसओ सुन्दरी छतवानी, कोषाध्यक्ष कविता बड़जात्या, वर्तमान अध्यक्ष रश्मि पगारिया के अलावा निदेशक मण्डल की पदाधिकारी भी मौजूद थी। **रिपोर्ट : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

मंत्रोच्चारण के मध्य मीना जैन बनी शुद्धनन्दिनी एवं रामकली बनी शुभनन्दिनी माताजी

वैराग्य के दृश्य को देखकर लोगों की आँखें हुई नम

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। नगर की दोनों विदुषी महिलाएं मंत्रोच्चारण के मध्य जैनेश्वरी क्षुल्लिका आर्यिका दीक्षा ग्रहण कर जैन साध्वी बन गईं। अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री सौम्य नन्दिनी माताजी को ग्राम हथनी (दमोह) मध्यप्रदेश में मुरेना नगर की दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोचियाँ परिवार की रावत गोत्रीय मुरेना नसियां जी जैन मंदिर के सामने निवासी पवन जैन (रतीराम पुरा बाले) की मातुश्री ब्रह्मचारणी बहिन मीना जैन व संतोष, नीलेश, दीपक जैन की मातुश्री कोलनायक गोत्रीय रामकली जैन ने आत्म कल्याण हेतु श्रीफल अर्पित कर दीक्षा हेतु निवेदन किया। उनके निवेदन एवं दृढ़ इच्छा शक्ति को देखते हुए समस्त आर्यिका संघ, त्यागिवर्तियों, दोनों बहिनों के परिजनों, रिश्तेदारों एवं हजारों की संख्या में उपस्थित साधर्मी बन्धुओं से दीक्षा हेतु स्वीकृति प्राप्त की। दीक्षा की स्वीकृति मिलते ही दोनों दीक्षार्थी बहिनों के चेहरे के भाव देखते ही बनते थे। उपस्थित विशाल जनसमुदाय ने श्री जिनेन्द्र प्रभु की जयजयकार एवं तालिया बजाकर अत्यंत ही हर्ष के साथ दीक्षार्थी बहिनों के पुण्य की अनुमोदना की। दीक्षा से पूर्व दोनों दीक्षार्थी बहिनों ने सभी परिजनों, रिश्तेदारों, उपस्थित साधर्मी बन्धुओं सहित समस्त प्राणिमात्र से क्षमा याचना की एवं स्वयं ने भी सभी को क्षमा प्रदान की। दीक्षार्थी मीना एवं रामकली जैन ने शरीर पर धारण किये सभी आभूषणों को एक एक कर त्याग करते हुए अपने सिर के बालों का केशलोंच किया। परम पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री सौम्य नन्दिनी माताजी ने दोनों दीक्षार्थी बहिनों के आगमानुसार दीक्षा के संस्कार करते हुए मंत्रोच्चारण के साथ जैनेश्वरी क्षुल्लिका आर्यिका दीक्षाएं प्रदान कीं। आर्यिका दीक्षा उपरांत मुरेना नसियां जी जैन मंदिर के सामने निवासी पवन जैन (रतीराम पुरा वाले) की मातुश्री नव दीक्षार्थी मीना जैन को श्री 105 क्षुल्लिका शुद्धनन्दिनी माताजी एवं अम्बाह रोड मुरेना निबासी नत्थीलाल जैन (चांद जा पुरा) की धर्मपत्नी रामकली जैन को श्री 105 क्षुल्लिका शुभनन्दिनी माताजी नामकरण किया। दीक्षा उपरांत क्षुल्लिका श्री शुद्धनन्दिनी माताजी को महावीरप्रसाद अनिलकुमार जैन (अंबाह बाले) मुरेना ने पिच्छिका, विनोदकुमार लोकेश जैन धौलपुर ने कमंडल, धनीराम गौरव जैन (मांगरोल वाले) धौलपुर ने शास्त्र, पवनकुमार ऋषभ जैन (रतीराम पुरा) मुरेना ने बस्त्र, विजयकुमार शैलेश जैन अम्बाह ने जाप माला एवं सुभाषचंद्र कमलकुमार जैन मुरार ने आहार पात्र भेंट किया।

जिंदगी में कभी मरने का भाव मत करना : मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज

परेशान होकर मरना समस्या का समाधान नहीं है। भक्तों के समूह पहुंच कर कर रहे हैं चातुर्मास का निवेदन

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। जिंदगी में कभी मरने का भाव मत करना कुछ भी हद तक उतरना जिंदगी से परेशान हो कर ऐसी कोई बुरी आदत मत डालना कि कहीं इसी आदत से दुःख देने वाली तो नहीं होगी जाओ जो कार्य करना हो कर लो लेकिन ऐसा कोई काम मत करना कि कल पछताना पड़े पश्चाताप तो नहीं करना पड़ेगा आपके संसार की बात कर रहे हैं ऐसा कोई काम मत करना कि तुम्हारी मां के आंख में आसू ना आए ऐसा कोई काम मत करना कि तुम्हारी मां रोटी भी ना खा पाये पिता मस्तक उठा कर जी सकेंगे। उक्त आश्य के उद्गार मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने करगुआ तीर्थ झांसी में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

मुनि पुंगव संसघ करगुआ तीर्थ झांसी में विराजमान हैं

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी एवं प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस भी अभी तीर्थ क्षेत्र पर विराज रहे हैं। जहां प्रतिदिन सुबह मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के मंगल प्रवचन एवं शाम को जिज्ञासा समाधान का सीधा प्रसारण किया जा रहा है आज धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए मुनि श्री क्रोध को रोक लो अपने लिए नहीं अपनो को लिए इसलिए जिंदगी में ऐसा कोई काम मत करना जिससे तुम और तुम्हारो की इज्जत वनी रहें महावीर ने अपने भक्तों को कायर नहीं वनाया है भगवान महावीर ने अपने और अपनों की चिन्ता करते हुए कुछ सहन करने की कला सिखाई है।

जिंदगी को इज्जत से जीने की कला सीखें

उन्होंने कहा कि तुम्हारी अपनी जिंदगी प्यारी है इसे इज्जत से जीने की कला सीखें जैनियों में लोग अपनों से दुखी हैं दुश्मन से दुखी नहीं हैं भाई भाई से दुखी हैं मैं उन दुखों की वात कर रहा हूं जिनके दुख दूर करने का उपाय ही नहीं है कोई वीमारी हो तो श्री भक्तावर जी का छयालीस वा स्लोक पड़ लेते सांप से शेर से वचने का मंत्र तो है लेकिन भाई भाई से दुखी हैं पति पत्नी से दुखी हैं तो इसका कोई उपाय नहीं है शादी अच्छे के लिए की थी लेकिन आज एक दूसरे की सकल नहीं देखना चाहते जिस दिन भाई भाई के दुःख दूर करने का मंत्र वन गया तो समझ लेना कि सृष्टि के विनास का समय आ गया।

वेद ज्ञान

निंदा करने से बचें

साहित्यकार वैसे तो नौ रसों की बात करते हैं, लेकिन मजाक में ही सही निंदा को भी निंदारस कहा जाता है। निंदा का सीधा-सा अर्थ है छिद्रान्वेषण या दूसरों में बुराई तलाशना। स्कंध पुराण में कहा गया गया है जिसका हिंदी में आशय है कि परनिंदा महापाप है, परनिंदा महाभय है, परनिंदा महादुख है। उससे बड़ा कोई पाप नहीं है, लेकिन अक्सर लोगों में परनिंदा में किसी स्वादिष्ट भोजन से भी ज्यादा आनंद मिलता है। माना जाता है कि निंदा तीन प्रकार की होती है। पहली निंदा तो स्वभाववश होती है। दूसरी निंदा ईर्ष्या के कारण होती है। कई लोगों का स्वभाव ही ऐसा बन जाता है कि वे किसी के बारे में सकारात्मक बात नहीं करते। वे कमियां ढूंढते रहते हैं और उसकी निंदा करते हैं। ईर्ष्यावश की गई निंदा किसी की सफलता को देखकर जन्म लेती है। इससे उस सफल व्यक्ति के प्रति हमारे मन में जलन पैदा हो जाती है और उसके अच्छे कामों का भी छिद्रान्वेषण करने लगते हैं। इसकी सबसे बुरी बात यह है कि यह व्यक्ति विशेष को ध्यान में रखकर उसे नुकसान पहुंचाने के लिए भी की जाती है। कई निंदा तीसरे प्रकार की होती है। जिसकी निंदा की जाती है उसके व्यवहार अथवा आचरण को लक्ष्य बनाया जाता है। हो सकता है कि कभी-कभी इस तरह की निंदा तथ्य परक हो, पर यह निंदा तो होती ही है इसलिए इसके दुष्परिणाम भी होते हैं। यह तथ्य है कि हम जब किसी में कोई दोष तलाश रहे होते हैं तो एक अंगुली तो उसकी तरफ होती है, मगर चार अंगुलियां हमारी तरफ ही होती हैं। विद्वानों का कहना है कि ये चारों अंगुलियां हमारी तरफ ही इंगित होती हैं। जब आप में कमियां हैं तो आपको कोई हक नहीं होता कि आप किसी में दोष तलाशें या उसकी कमियों का जिक्र करें। यदि निंदा जैसी भयानक बुराई से बचना है तो हमें तत्काल यह आदत डाल लेनी चाहिए कि हम दूसरों में बुराइयों के बजाय अच्छाइयां तलाशें और उनका अनुसरण करें। संत कबीर ने कहा था कि जो व्यक्ति हमारी निंदा करता है कि वह हमारी कमजोरियों या बुराइयों को सीधे-सीधे और स्पष्ट तरीके से हमें बता देगा, जबकि हमारा मित्र या स्वजन शायद ऐसा न कर पाएं।

संपादकीय

शासन तंत्र में फैले भ्रष्टाचार बेहद घातक

बिहार के भागलपुर में गंगा पर बन रहे एक पुल के ढह जाने की घटना ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। भागलपुर को खगड़िया जिले से जोड़ने वाली निमार्णाधीन अगुवानी-सुल्तानगंज पुल ढह गया और इस तरह हादसों के सिलसिले में एक और कड़ी जुड़ गई। साथ ही यह भी उजागर हुआ कि सरकारों और संबंधित महकमों की ओर से किस स्तर की लापरवाही बरती जाती है या भ्रष्टाचार किया जाता है। गौरतलब है कि रविवार को भागलपुर में गंगा पर सत्रह सौ सत्रह करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बन रहा निमार्णाधीन पुल अचानक ही गिर गया। यही पुल दूसरी ओर से एक बार पहले भी ढह गया था। इसके बाद भी सरकारी दावे सामने आते रहे कि जल्दी ही इस पुल का निर्माण कार्य पूरा कर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इतने

दिनों तक पुल का काम लटका रहा और अब जो हुआ, उसमें सिर्फ संयोग से ही आम लोग चपेट में नहीं आए। वरना जिस पैमाने पर यह पुल गिरा, अगर उस पर वाहनों और लोगों की आवाजाही रहती तो अंजाम की त्रासदी का अंदाजा लगाया जा सकता है। हैरानी की बात यह है कि पुल के गिरने की घटना जब उसके वीडियो सहित सुर्खियों में आ गई तब सरकार की ओर से यह सफाई आई कि चूंकि इस पुल का डिजाइन गलत था और जोखिम से भरा था, इसलिए इसे गिराया जाना तय था। इसे स्पष्ट किए जाने की जरूरत है कि पुल खुद ढह गया या फिर उसे गिराया गया। दोनों ही स्थितियों में यह तय है पुल के निर्माण में व्यापक खामियां थीं और वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। सरकार की ओर से जारी सफाई में कहा गया कि इस पुल के डिजाइन में बड़ी खामी थी। बिहार के उपमुख्यमंत्री के मुताबिक इस पुल की खामियों के मद्देनजर आइआइटी-रुड़की से इसका अध्ययन कराया गया। विशेषज्ञों ने सूचित किया था कि इसमें गंभीर खामियां हैं। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को पुल निर्माण की जिम्मेदारी सौंप रही थी, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा गया था? इतना तय है कि एक ही पुल अगर दो बार भरभरा कर गिरा तो यह डिजाइन गलत होने से लेकर उसमें उपयोग होने वाली सामग्री के घटिया होने का भी साफ संकेत है। लेकिन जिस तरह सरकार उस पुल की गुणवत्ता और जोखिम का अध्ययन करा रही थी, क्या उसके निर्माण के दौरान या उससे पहले डिजाइन सहित उसके हर कसौटी पर बेहतर होने के लिए जांच कराना सुनिश्चित नहीं कर सकती थी? पुल के गिरने से जितने पैसों की बर्बादी हुई, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटना कोई पहली नहीं है। इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आईं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आतंक पर वार

फिलहाल दुनिया में प्रत्यक्ष आतंकी हमलों का जोर अपेक्षया कम जरूर हुआ है, लेकिन यह अन्य स्वरूपों में अपने पांव फैला रहा है। आतंकवाद के आक्रामक दौर में दुनिया ने देखा है कि कैसे नाहक ही निर्दोष और मासूम लोगों का कत्लेआम करके आतंकी संगठन अपना बेमानी मकसद पूरा करते रहे हैं। इसके बाद बहुत सारे देशों ने अपने-अपने स्तर पर नीतिगत से लेकर व्यावहारिक मोर्चों पर ठोस कदम उठाए, आतंकियों के लिए जगह खत्म करने की कोशिश की। शायद इसी वजह से आतंकवादी संगठनों ने अब अपनी रणनीति बदली है। स्वाभाविक ही वैश्विक स्तर पर आज भी आतंकवाद के खात्मे के लिए प्रयास जारी हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देशों के संगठनों में इस मसले पर संकल्प लिए जाते हैं। खासतौर पर भारत इस समस्या से किस हद तक एक पीड़ित देश रहा है, यह किसी से छिपा नहीं है। संयुक्त राष्ट्र से लेकर अमूमन सभी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने आतंकवाद की गहराती समस्या के खिलाफ बार-बार आवाज उठाई है और इसके लिए जिम्मेदार आतंकी संगठनों और इन्हें पनाह देने वाले देशों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। अब दक्षिण अफ्रीका में आयोजित पांच ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में एक बार फिर आतंकी वित्त पोषण और आतंकवादियों के पनाहगाहों से निपटने का संकल्प जाहिर किया गया है। इस सम्मेलन में भारत ने साफतौर पर अपनी धमक दर्ज की और कहा कि भारत अब वह देश नहीं रहा जो अपेक्षाकृत धीमी गति से घिसट कर चलता था। यों भी हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने कई स्तर पर कूटनीतिक कामयाबियों का सफर तय किया है। इस लिहाज से देखें तो भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में भी दो स्तर पर अपनी मजबूत दखल दी। पहला ब्राजील, भारत, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका से बने ब्रिक्स में न केवल भारत की अहमियत फिर दर्ज हुई, बल्कि उसके मुख्य संकल्पों में से एक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की तैयारी को भी इसके संकल्प शामिल कराया गया। इन देशों की ओर से जारी संयुक्त बयान में साफ कहा गया है कि वे आतंकवाद के सभी स्वरूपों और तरीकों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें आतंकवादियों के सीमा पार आवागमन, आतंकवाद के वित्त पोषण के नेटवर्क और सुरक्षित पनाहगाह के खिलाफ कार्रवाई की बात शामिल है। यों आतंकवाद ने कई देशों को किस तरह और कितना तबाह किया है, वह छिपा नहीं है। लेकिन भारत उन सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल हैं, जहां आतंकवादी संगठनों ने योजनाबद्ध तरीके से अपनी मंशा को अंजाम दिया। हालांकि आतंकवाद के सफाए के लिए भारत ने जो अभियान चलाए, उसी का नतीजा है कि अब आतंकवादियों के हौसले पस्त दिखते हैं लेकिन विश्व भर में आतंकवादी संगठनों के काम करने के जो तौर-तरीके हैं, उस पर नजर रखना और उनकी बदलती रणनीति के मुताबिक तैयार होना सावधानी के लिहाज से जरूरी है। दक्षिण अफ्रीका से पहले भी ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए गए थे। कुछ साल पहले चीन में हुए सम्मेलन में तो साफतौर पर पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले कुछ संगठनों का नाम लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई थी।

धर्म प्रभावना का प्रतीक है फहराती पचरंगी ध्वजा

नसियां जैन मंदिर प्रांगण में 51 फुट ऊंचे ध्वज दंड पर फहराई विशाल पचरंगी ध्वजा

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

नसिया कॉलोनी स्थित दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण में आज नवकार महामंत्र के उच्चारण के साथ ध्वज वाटिका में स्थित 51 फुट ऊंचे ध्वज दंड पर विशाल पचरंगी ध्वजा धर्म श्रेष्ठी मंगल चंद जैन द्वारा फहराई गई। इस अवसर पर सर्वजन की मंगलभावना के लिए ₹अरिहंतो भगवंत सिद्ध महतार मंगलाष्टक का सामूहिक उच्चारण किया गया। जिनालय में विराजित सभी तीर्थंकर भगवानो के चरणों में अर्ध समर्पित किए गए। एवं णमोकार मंत्र के उच्चारण के साथ 51 फुट ऊंचे ध्वजदंड पर पचरंगी ध्वजा श्रीमान मंगल चंद जैन द्वारा फहराई गई। इससे पूर्व जैन समाज के वरिष्ठ जनों ने मंगल जैन का तिलक लगाकर एवं माला साफा एवं दुपट्टा पहना का स्वागत संबंध किया। इस अवसर पर उपस्थित दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के रीजन उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या एवं समाज के वरिष्ठ जन कैलाश चंद जैन ने बताया कि जैन धर्म में जैन ध्वज महत्वपूर्ण है और इसके अनुयायियों के लिए एकता के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। विभिन्न समारोहों के दौरान ध्वज जैन मंदिर के मुख्य शिखर के ऊपर या विशेष कटनी बनाकर इसे फहराया जाता है। **जैन ध्वज की संरचना:** जैन ध्वज अलग-अलग रंगों के पांच क्षैतिज बैंड से बना है। रंगीन बैंड 24 जिन का प्रतिनिधित्व करते हैं और पांच पवित्र संस्थाओं का भी प्रतिनिधित्व कर सकते हैं, जो जैन धर्म में अत्यधिक पूजनीय हैं। रंग ऊपर से नीचे तक लाल, पीला, सफेद, हरा, गहरा नीला है। लंबाई में तीन गुना और चौड़ाई में दो गुना। सफेद पट्टी के केंद्र में एक स्वस्तिक है, जिसके ऊपर तीन बिंदु और शीर्ष पर एक अर्धचंद्र है। एक मुक्त आत्मा को अर्धचंद्र के ऊपर बिंदी द्वारा दर्शाया जाता है। ये सभी नारंगी रंग के हैं।

राष्ट्रीय कार्यशाला स्क्रैप आर्ट का समापन और प्रदर्शनी आज

उदयपुर. शाबाश इंडिया। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय के चित्रकला विभाग द्वारा महाविद्यालय छात्रावास परिसर में 1 से 7 जून तक आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कला कार्यशाला का समापन बुधवार को होगा। इसके साथ ही कार्यशाला के दौरान सृजित कलाकृतियों को भी महाविद्यालय परिसर में प्रर्दशित किया जाएगा। समन्वयक प्रो. दीपक भारद्वाज ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति कर्नल प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत, वशिष्ठ अतिथि कलाविद् प्रो. सुरेश शर्मा, वरिष्ठ कलाकार प्रो. शैल चोयल और प्रो.एल.एल.वर्मा होंगे। अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मीना बया करेगी। आयोजन सचिव डॉ. रामसिंह भाटी ने बताया कि सात दिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित विशेषज्ञ कलाकार दिनेश उपाध्याय, राकेश कुमार सिंह व पुष्पकांत त्रिवेदी (सभी उदयपुर) अप्पाला राजू (विशाखापत्तनम) तथा कपिल अग्रवाल (इन्दौर) के साथ प्राचार्य डॉ. मीना बया एवं चित्रकला विभाग के संकाय सदस्य प्रो. कहानी भाणवत, प्रो. मनीषा चोबीसा, डॉ. रामसिंह भाटी, डॉ. दीपक सालवी सहित प्रशिक्षु छात्राओं द्वारा सृजित कृतियां भी प्रदर्शित होंगी। **रिपोर्ट/ फोटो : दिनेश शर्मा, अर्जेंट स्टूडियो**

जैन सोशल ग्रुप कैपिटल, जयपुर का "शपथ ग्रहण एवं हेलो समर"

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप कैपिटल, जयपुर का ''शपथ ग्रहण एवं हेलो समर'' कार्यक्रम जयपुर शहर के मानसरोवर स्थित होटल रुद्र विलास मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मे रजिस्ट्रेशन के पश्चात स्विमिंग पूल साइड हाई टी का रसास्वादन करते हुए, खिलाये गए रोमांचक गेम्स एवं राजतिलक क्राउन थीम पर आधारित हाउजी का आनंद लिया। सांयकालीन भोजन के पश्चात सत्र 2023 - 25 के लिए नवनिर्वाचित ग्रुप अध्यक्ष अनिल - प्रेमा राँवका व उनकी टीम की शपथ विधि का कार्यक्रम JSGIF के पूर्व अध्यक्ष राकेश - रेखा जैन, सचिव महेंद्र - मीनू गिरधरवाल, नॉर्दर्न रीजन के अध्यक्ष महेन्द्र- मंजू सिंघवी, उपाध्यक्ष नरेश - आशा राँवका, सचिव सिद्धार्थ - वर्षा जैन व भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर के पूर्व अध्यक्ष संजय जैन के द्वारा ग्रुप सम्पन्न कराया गया। अमर - मधु जैन, निवर्तमान अध्यक्ष , राजेन्द्र - मेनका जैन, उपाध्यक्ष प्रमोद - सुनीता जैन, सचिव राज कुमार - रेणु बड़जात्या, संयुक्त सचिव, डॉ मनीष - अनिता जैन कोषाध्यक्ष एवं जिनेन्द्र - मंजू जैन, केशव - सपना गोदिका, लोकेश - निधि पांडया, महेश - कृतिका सोगानी, राज कुमार - संतोष काला, शांति - बीना पाटनी, सुधीर - अलका गोधा, विनोद - सुधा जैन, विनय - स्नेह लता सोगानी, वीरेंद्र - सुनीता काला को कार्यकारिणी सदस्य की शपथ दिलाई गई। अंत में ग्रुप सचिव प्रमोद जैन ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिगम्बर जैन मंदिर जमवारामगढ़ (जयपुर) में 1008श्री नेमीनाथ जी की प्रतिमा विराजमान की गई

जमवारामगढ़. शाबाश इंडिया

जयपुर के नजदीक दिगम्बर जैन मंदिर जमवारामगढ़ में श्री 1008 श्री नेमीनाथ जी भगवान की पदमासन प्रतिमाजी को विधि विधान पूर्वक विराजमान किया गया। क्षेत्र के मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार जैन पाटनी ने बताया कि प्रतिष्ठाचार्य पं० मुकेश जैनरशास्त्री (श्री महावीर जी) के निर्देशन में अभिषेक, शांतिधारा करने के उपरांत श्री भक्तामर विधान पूजा,आरती कर विधि विधान पूर्वक श्री जी को वेदी में विराजमान किया। इससे पूर्व मुख्य बाजार से भव्य गरिमामय जुलूस के साथ श्रीजी को पालकी में विराजमान कर मन्दिर में लाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र कमेटी के मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार जैन पाटनी, संयुक्त मंत्री सुभाषचन्द जैन, संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी, सदस्य प्रदीप कुमार जैन, क्षेत्र की अन्य मंदिरान समिति के सदस्य योगेश टोडरका, प्रदीप ठोलिया, राजेन्द्र पापडीवाल, गजेन्द्र बोहरा,सहित राकेश छाबड़ा,धनु कुमार जैन, अशोक पाटनी, सुरेश छाबड़ा, सुरेन्द्र मोदी, संजय जैन, रविन्द्र कुमार जैन, पवन जैन,एवं काफी संख्या में महिला-पुरुष धर्मावलम्बी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्री दिगंबर जैन मंदिर जमवारामगढ़ के प्रबंध कर्ता प्रबन्धकारिणी कमेटी दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी है।

सेवा भारती चिकित्सा शिविर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। सेवा भारती आदर्श नगर, जयपुर ईकाई द्वारा वृहद चिकित्सा शिविर कृष्णा मंदिर परिसर में लगाया गया। इस शिविर में शिशुरोग चिकित्सक, हड्डी रोग, मूत्ररोग, हीलिंग, आहार विशेषज्ञ, एक्यूप्रेशर, आयुर्वेद के अलावा होम्योपैथिक चिकित्सा की भी व्यवस्था की गई थी। होम्योपैथिक चिकित्सा के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डां.एम.एल जैन ''मणि'' को बुलाया गया था। डॉ. मणि ने सामान्य बिमारियों के अलावा वातरोग, बवासीर, गुर्दे की पथरी, एनीमिया, मस्से, प्रोस्टेट, लकवा, घुटने व जोड़ों में दर्द, डायबिटीज व लाईपोमा के विशेष मरीजों का हाल पूछा,टैस्ट देखे व बीमारी का ज्ञान दिया व दवाईयां वितरित की। शिविर में आयोजकों ने सभी चिकित्सकों का माल्यार्पण कर मोमेंटों भेंट किया।

गुलाबी नगरी जयपुर की ओर बढ़ते चरण आचार्य सौरभ सागरजी के...

जयपुर के श्रावकों ने गंज खेडली में चढ़ाया श्रीफल

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य दिगम्बर जैन आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के सुयोग्य शिष्य आचार्य 108 सौरभ सागर महाराज का 29 वां चातुर्मास गुलाबी नगरी में होने जा रहा है। परम पूज्य गुरुदेव आगरा से विहार करते हुए खेड़ली पहुंचे जहां पर गुरुदेव का समाज के द्वारा जगह-जगह प्रक्षालन आरती करके गुरुदेव का भव्य स्वागत किया गया । इस मौके पर जयपुर सहित देशभर के कई गुरु भक्त वहां पर पहुंचे। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया, सचिन जैन कामा, अतुल मंगल, लवली, प्रमोद जैन बावड़ी, परम गुरु भक्त टिल्लू भैया, गजेंद्र बड़जात्या ,सुनील साखूनिया, दुर्गा लाल नेता,नितिन जैन , लकी जैन , गौरव जैन ने जयपुर चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर दिल्ली, मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, सहित जगह-जगह से गुरु भक्त पधारे। गुरुदेव का जयपुर में 25 जून तक मंगल प्रवेश होना संभावित है। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य श्री का वर्ष 2023 का चातुर्मास प्रतापनगर के सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में होने की संभावना है। आचार्य श्री के जयपुर मंगल प्रवेश की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

विख्यात विद्वान व लेखक डॉ. कपूर चंद्र जैन स्मृति ग्रन्थ का हुआ भव्य लोकार्पण

देशभर के शताधिक विद्वानों की उपस्थिति में हुआ भव्य आयोजन, डॉ कपूरचंद जी ने कपूर की भांति चारों ओर सुगंधि फैलाई : मुनि पुण्यसागर जी, मूर्धन्य मनीषी तथा अद्भुत प्रतिभा के धनी थे डॉ कपूरचंद जैन : गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण

सोनागिर, दतिया. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी में मूर्धन्य मनीषी श्रद्धेय डॉ. कपूरचंद जैन खतौली के स्मृति ग्रन्थ का भव्य विमोचन समारोह पूज्य मुनि श्री पुण्य सागर जी महाराज ससंघ व गणनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी के ससंघ सान्निध्य में शास्त्रि परिषद के अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत की अध्यक्षता में भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के विशिष्ट आतिथ्य में दोपहर दो बजे से सम्पन्न हुआ। सर्व प्रथम श्रीमती ज्योति जैन झांसी व पंडित पवन दीवान मुरैना एवं डॉ कपूर चंद्र जी खतौली के परिजनों ने मंगलाचरण किया। इसके बाद विद्वानों, अतिथियों आदि ने चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन किया। इस मौके पर मुनि श्री पुण्य सागर जी महाराज ने कहा कि डॉ. कपूर चंद्र जी खतौली ने कपूर की तरह दशों दिशाएं सुगंधित की।भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके कार्य उन्हें सदैव जीवंत बनाए रखेंगे। वे चिंतन शील मनीषी थे। गणनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी ने कहा कि डॉ कपूर चंद्र जी जितने दिन जिए शान जिए। वे मूर्धन्य मनीषी तथा अद्भुत प्रतिभा के धनी थे। प्रारंभ में डॉ जय कुमार जैन मुज्जफरनगर ने डॉ कपूर चंद्र जी का खतौली का परिचय देते हुए उनके जीवन से जुड़े संस्मरण सुनाए। विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य झांसी ने डॉ कपूर चंद्र जी के अवदान को ऐतिहासिक बताया तथा उनकी स्मृति में बुंदेलखंड विश्विद्यालय झांसी में एक शोध पीठ स्थापना की बात कही। समारोह का संचालन पंडित विनोद जैन रजवांस व राजेन्द्र महावीर सनावद ने संयुक्त रूप से किया। आभार डॉ ज्योति जैन खतौली ने व्यक्त किया। शास्त्रि परिषद के अध्यक्ष डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत ने कहा कि अपने को तिल तिल गलाकर साहित्य साधना करने वाले सरस्वती के वरद पुत्र डॉ कपूर चंद्र जैन के द्वारा नयी-नयी विधाओं पर कार्य किए गए। डॉ शीतल चंद्र जैन प्राचार्य जयपुर ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में जैन उनकी 700 पृष्ठों की कृति ऐतिहासिक दस्तावेज बन गयी है। इस पुस्तक को तैयार करने में उन्होंने अथक श्रम किया है।

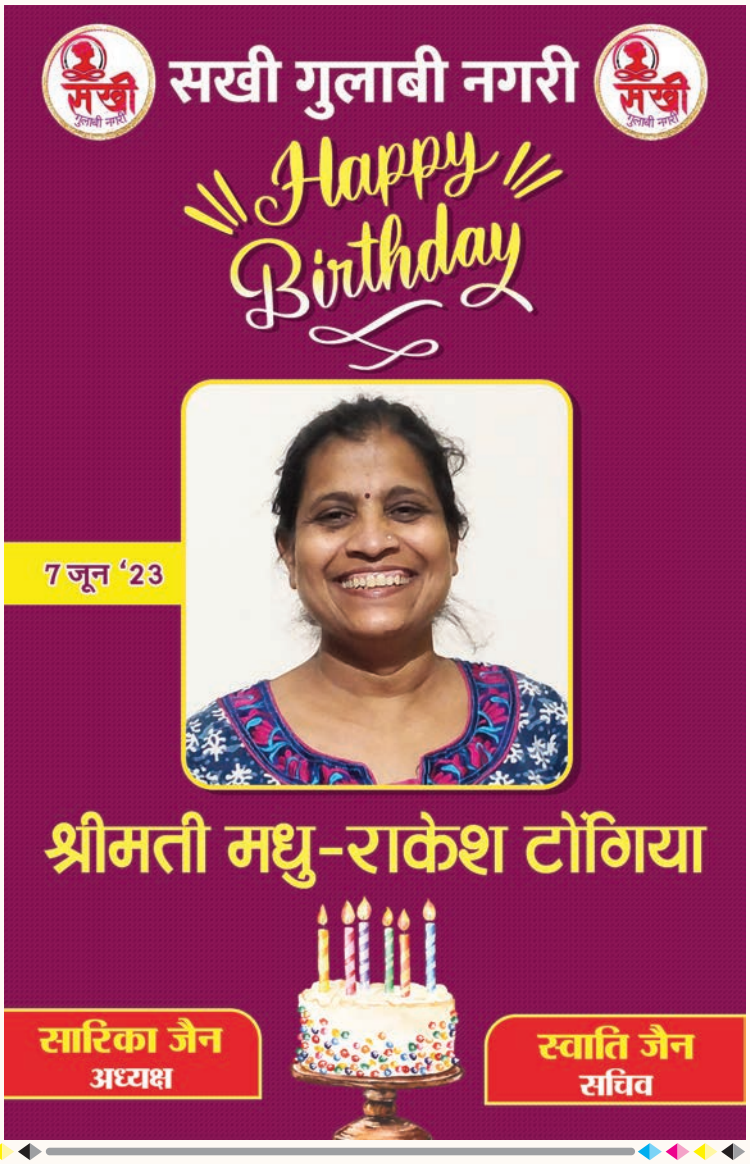

पर्यावरण संरक्षण पर त्रि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए रखे अपने विचार

जयपुर. शाबाश इंडिया

निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर के तत्वावधान में 'पर्यावरण, कृषि और मानव कल्याण : सतत विकास लक्ष्यों की समीक्षा' विषय परे तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सोमवार को हुआ। जेएलएन विवि दिल्ली के प्रो. संजय भारद्वाज कार्यक्रम के मुख्य मुख्य आतिथि रहे।

अनुभवी वक्ताओं का हुआ उद्बोधन

विवि के सीईओ डॉ. आर.के. अरोड़ा ने बताया कि बारह सत्रों में आयोजित हुए इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को विभिन्न देशों के शैक्षणिक संस्थानों से अनुभवी वक्ताओं ने संबोधित किया। मासेराटा यूनिवर्सिटी इटली के प्रो. अल्बर्टो फेब्रायो, उपस्सला यूनिवर्सिटीस्वीडन के प्रो. हाइंज वरनर वैस्लर, रोम यूनिवर्सिटी इटली के प्रो. टीटो मार्सी, सिटी कॉलेज, ग्लैसगो यूके के प्रो. ध्रुव कुमार, बांग्लादेश ऊर्जा नियामक आयोग के सचिव खलील खान, डॉ. आर.पी. केंद्रीय कृषि विवि, पूसा, बिहार के प्रो. आर.सी. श्रीवास्तव, महर्षि अरविंद विवि जयपुर के कुलपति प्रो. सुरेश जैन, शोभित इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी मेरठ के कुलपति प्रो. ए.पी. गर्ग और दिल्ली विवि की प्रो. पवित्रा भारद्वाज ने उपस्थितजनों को अपने विचारों से अवगत करवाया।

शुभ अवसरों पर लगाएं एक पौधा

निर्वाण विवि के कुलाध्यक्ष डॉ. एस. एल. सिहाग ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष एवं वनस्पति हमारे जीवन का मुख्य आधार है जबकि आधुनिकता के दौर में हम वृक्षों की अंधाधुंध कटाई कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सिहाग ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जन्मदिन, विवाह और सालगिरह जैसे शुभ अवसरों पर एक पौधा तो अवश्य लगाना चाहिए। विवि के कुलसचिव प्रो. प्रशांत बेनीवाल ने कहा कि पॉलीथिन रूपी दानव पर्यावरण को निरंतर निगलता ही जा रहा है। पर्यावरण के संरक्षण के लिए हमें कपड़े अथवा जूट के थैले का उपयोग करना चाहिए। विवि के निदेशक आईक्यूएसी शशिकांत विज ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण से जुड़े एक संगठन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वर्ष 2030 तक जलवायु परिवर्तन से प्रभावित लगभग एक अरब लोगों की मौत हो जाएगी। सह-संयोजक एवं अध्यक्ष भौतिक विज्ञान विभाग डॉ. पीयूष कुमार कमलेश ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हमें अधिक से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर ऊर्जा का प्रयोग करना चाहिए।

पं. मनीष विद्यार्थी राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

सागर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री सौभाग्य सागर जी महाराज, मुनि श्री पुण्य सागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य एवं आ. श्री स्वस्ति भूषण माताजी के निर्देशन में अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि परिषद के शिक्षण प्रशिक्षण शिविर, अधिवेशन, पुरस्कार समर्पण समारोह , डॉ कपूर चंद्र जी खतौली स्मृति ग्रंथ लोकार्पण समारोह के अवसर पर 29 मई से 4 जून तक को सिद्धक्षेत्र सोनागिरि जी में संपन्न हुआ। 3 जून 2023 को आयोजित पुरस्कार सम्मान समारोह में विभिन्न विधाओं में काम करने वाले 10 विद्वानों का सम्मान किया गया, सभी को साल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह, सम्मान पत्र एवं 11000 रुपए की राशि प्रदान की गई, पुरस्कार समर्पण समारोह में श्रुत संवर्धन ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविर समिति के संयोजक, जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अहिंसा कारुणा समाचार पत्र के संपादक पं. मनीष विद्यार्थी शाहगढ़ को आ.श्री सर्वश्रेष्ठ मति माताजी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उपस्थित विद्वतवर्ग डॉ. श्रेयांश जैन बड़ोद डॉ. शीतल चंद्र जी प्राचार्य जयपुर, ब्र. जय कुमार निशांत,डॉ. ब्र. अनिल भैया जी जयपुर,ब्र. मनीष भैया, ब्र. विनोद भैया डॉ. जय कुमार मुजफ्फरनगर, डॉ. सुरेंद्र भारती बुरहानपुर, राजेंद्र महावीर सनावद, डॉ. सुनील संचय ललितपुर , डॉ विमल जी जयपुर, प्रतिष्ठाचार्य सनत विनोद जी रजवांस,डॉ अमित आकाश, इंजी. दिनेश जी भिलाई, पं. रमेश जी जोबनेर,पं. जयकुमार दुर्ग पं. हजारी पार्श्वनाथ श्रवणबेलगोला ने बधाई दी।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ड़ायमन्ड़ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधे वितरण किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के निर्देशन में राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में अध्यक्ष प्रमोद- सोनल जैन व सचिव रमेश - सन्जना छाबड़ा ने बताया कि डायमन्ड़ ग्रुप द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर जवाहर सर्किल में लगभग 50 पौधे अशोक, बेलपत्र, चमेली, कोचिया,मधुकामिनी, गुलाब, नींबू, मोगरा, रातरानी, जामुन,हेज आदि के लगभग 11 तरह के पौधे वितरित किये गए। उपस्थित सदस्यों के सहयोग से जवाहर सर्किल पर वृक्षारोपण का कार्य किया गया। कार्यक्रम में आए हुए सभी को एस के गंगवाल ने धन्यवाद दिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com